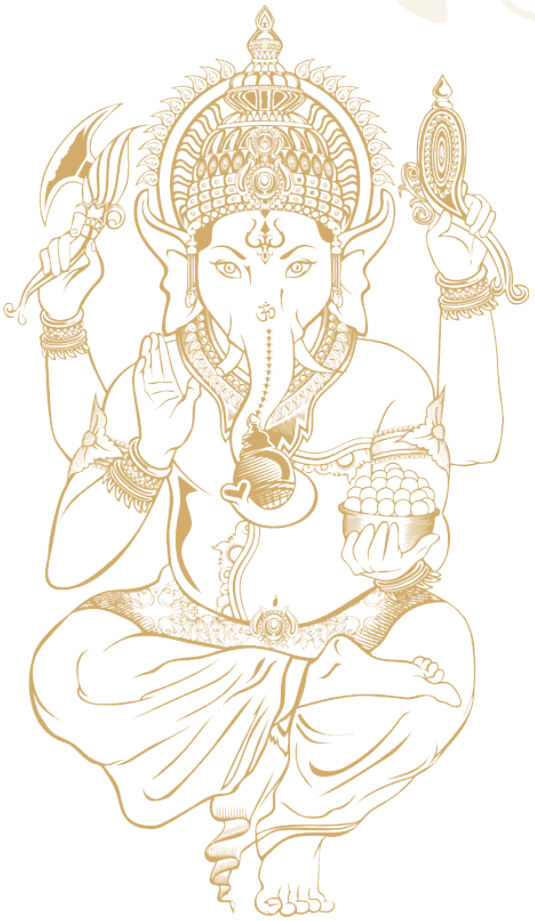

Mr.boy

Ms. lucky

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119490703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/03/1995	जन्म तिथि	10/02/1998
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:40:00	जन्म समय	16:25:00 घंटे
घटी 27:45:32	जन्म समय(घटी)	23:24:11 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Ghaziabad
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:47	सूर्योदय	07:03:08
18:27:33	सूर्यास्त	18:06:12
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:46

विंशोत्तरी शनि 3वर्ष 0मा 25दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 0वर्ष 1मा 9दि	
शुक्र		18:59:41	सिंह	लग्न	कर्क	06:55:49	शुक्र	
		28:39:27	कुंभ	सूर्य	मक	27:40:08		
07/04/2022		14:30:46	कर्क	चंद्र	कर्क	16:35:24	**22/03/2022**	
07/04/2042		20:09:55	कर्क व	मंगल	कुंभ	18:49:03	**22/03/2042**	
शुक्र	07/08/2025	04:14:53	कुंभ	बुध	मक	18:49:07	शुक्र	22/07/2025
सूर्य	07/08/2026	21:01:49	वृश्चि	गुरु	कुंभ	07:35:58	सूर्य	22/07/2026
चन्द्र	07/04/2028	18:41:16	मक	शुक्र	धनु	25:02:49	चन्द्र	22/03/2028
मंगल	07/06/2029	22:07:53	कुंभ	शनि	मीन	22:24:27	मंगल	22/05/2029
राहु	07/06/2032	12:44:06	तुला व	राहु व	सिंह	16:42:42	राहु	21/05/2032
गुरु	06/02/2035	12:44:06	मेष व	केतु व	कुंभ	16:42:42	गुरु	20/01/2035
शनि	07/04/2038	05:33:08	मक	हर्ष	मक	15:36:32	शनि	22/03/2038
बुध	05/02/2041	01:12:01	मक	नेप	मक	06:37:33	बुध	20/01/2041
केतु	07/04/2042	06:47:11	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:59:40	केतु	22/03/2042

लग्न-चलित

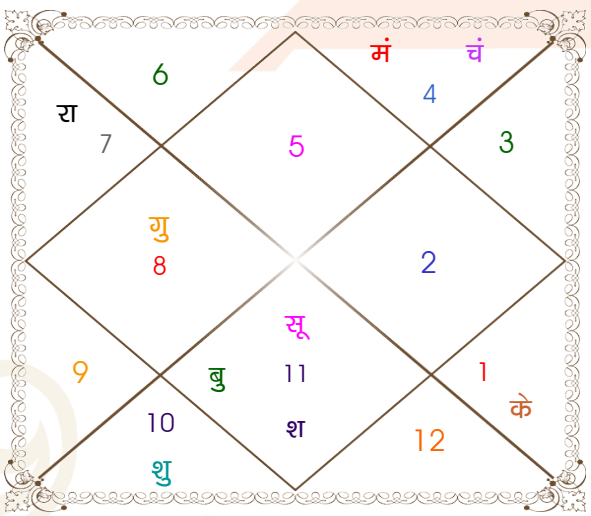

लग्न-चलित

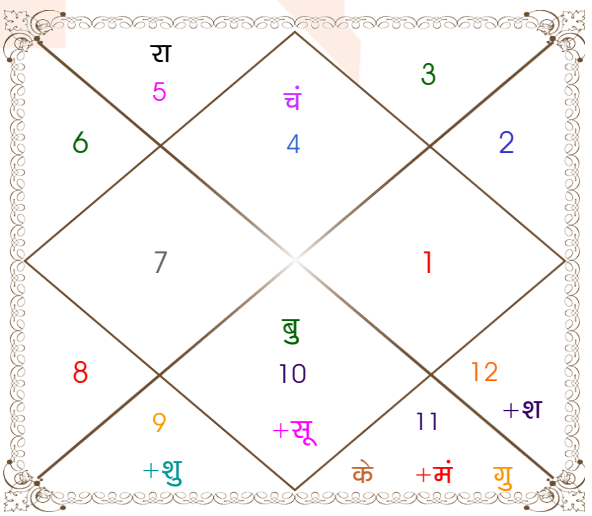

Acharya Sandeep Shastri
Greater Noida
9315747415
astrosankalp108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.boy का नक्षत्र पुष्य है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण सनबाल का नक्षत्र पुष्य है।

Mr.boy का वर्ग श्वान है तथा डेण सनबाल का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.boy और डेण सनबाल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.boy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.boy कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.boy कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.boy कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण सनबाल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण सनबाल कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण सनबाल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.boy कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.boy तथा डेण सनबाल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Sandeep Shastri
Greater Noida
9315747415
astrosankalp108@gmail.com